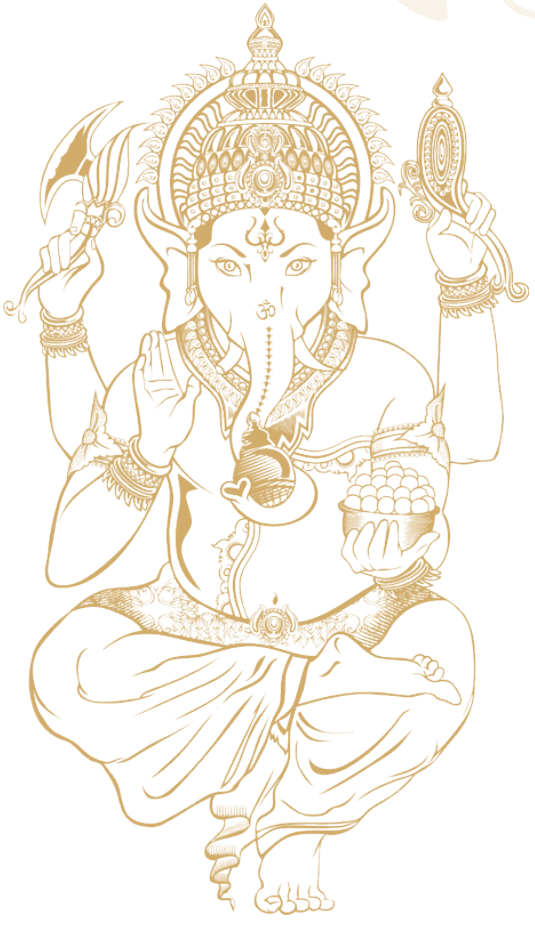

Satyender kumar

16 Jun 2007

12:35 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121903207

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/06/2007**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**12:35:00 घंटे**
इष्ट	18:02:05 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:14:44 घंटे
वेलान्तर	-00:00:34 घंटे
साम्पातिक काल	05:51:26 घंटे
सूर्योदय	05:22:09 घंटे
सूर्यास्त	19:19:34 घंटे
दिनमान	13:57:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:49:27 मिथुन
लग्न के अंश	04:09:10 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	04:09:10	318:02:11	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	---
सूर्य			मिथु	00:49:27	00:57:20	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			मिथु	16:18:14	14:05:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मीन	29:45:44	00:44:05	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
बुध	व		मिथु	17:37:57	00:01:24	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	स्वराशि
गुरु	व		वृश्चि	19:38:43	00:07:23	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	15:58:49	00:53:58	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
शनि			कर्क	26:55:57	00:05:20	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	16:04:52	00:09:42	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	16:04:52	00:09:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	24:42:28	00:00:21	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
नेप	व		मक	27:56:30	00:00:41	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
प्लूटो	व		धनु	03:45:26	00:01:34	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			मिथु	04:04:30	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:46

लग्न-चलित

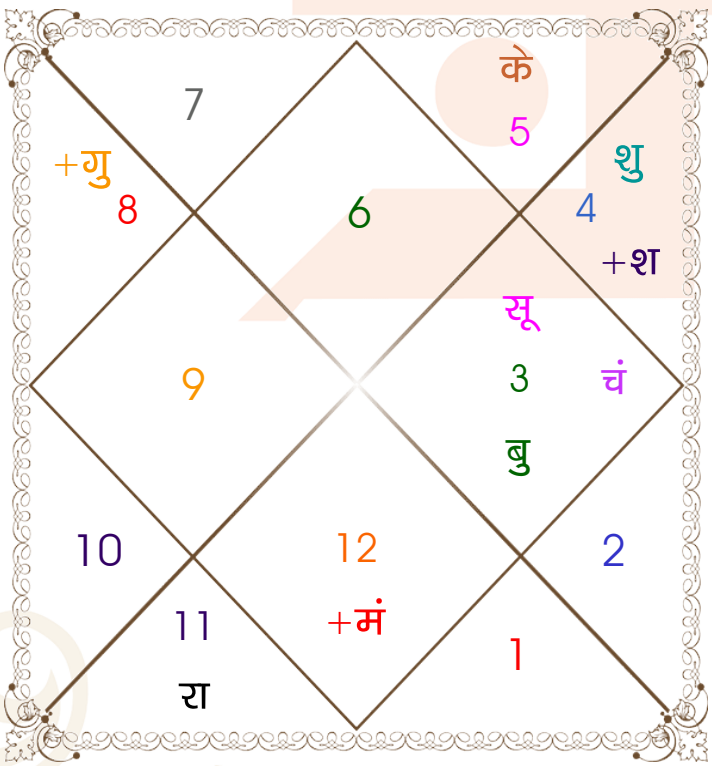

चन्द्र कुंडली

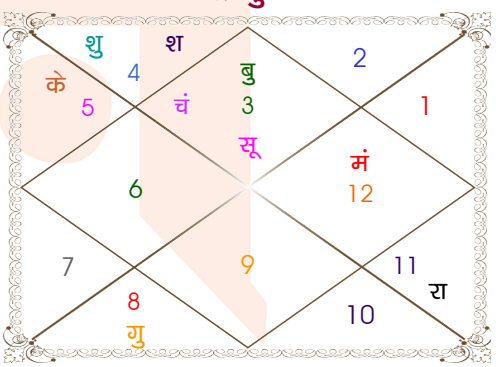

नवमांश कुंडली

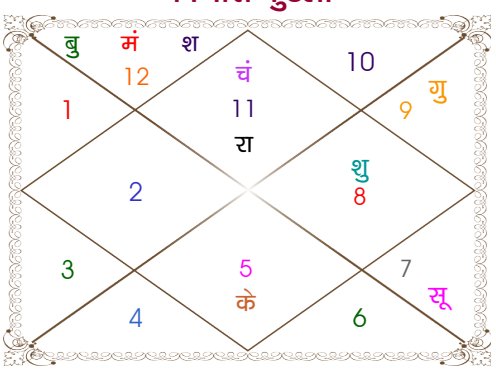

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 11 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/06/2007		12/06/2012		12/06/2028		12/06/2047		12/06/2064	
12/06/2012		12/06/2028		12/06/2047		12/06/2064		12/06/2071	
	00/00/0000	गुरु	31/07/2014	शनि	15/06/2031	बुध	08/11/2049	केतु	08/11/2064
	00/00/0000	शनि	10/02/2017	बुध	22/02/2034	केतु	05/11/2050	शुक्र	08/01/2066
	00/00/0000	बुध	19/05/2019	केतु	03/04/2035	शुक्र	05/09/2053	सूर्य	16/05/2066
	00/00/0000	केतु	24/04/2020	शुक्र	03/06/2038	सूर्य	12/07/2054	चंद्र	15/12/2066
	16/06/2007	शुक्र	24/12/2022	सूर्य	16/05/2039	चंद्र	12/12/2055	मंगल	13/05/2067
शुक्र	29/12/2008	सूर्य	12/10/2023	चंद्र	14/12/2040	मंगल	08/12/2056	राहु	30/05/2068
सूर्य	23/11/2009	चंद्र	10/02/2025	मंगल	23/01/2042	राहु	28/06/2059	गुरु	06/05/2069
चंद्र	25/05/2011	मंगल	17/01/2026	राहु	29/11/2044	गुरु	02/10/2061	शनि	15/06/2070
मंगल	12/06/2012	राहु	12/06/2028	गुरु	12/06/2047	शनि	12/06/2064	बुध	12/06/2071

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/06/2071		12/06/2091		12/06/2097		13/06/2107		13/06/2114	
12/06/2091		12/06/2097		13/06/2107		13/06/2114		00/00/0000	
शुक्र	12/10/2074	सूर्य	30/09/2091	चंद्र	12/04/2098	मंगल	09/11/2107	राहु	23/02/2117
सूर्य	12/10/2075	चंद्र	31/03/2092	मंगल	11/11/2098	राहु	27/11/2108	गुरु	20/07/2119
चंद्र	12/06/2077	मंगल	05/08/2092	राहु	13/05/2100	गुरु	03/11/2109	शनि	26/05/2122
मंगल	12/08/2078	राहु	30/06/2093	गुरु	12/09/2101	शनि	13/12/2110	बुध	12/12/2124
राहु	12/08/2081	गुरु	18/04/2094	शनि	13/04/2103	बुध	10/12/2111	केतु	31/12/2125
गुरु	12/04/2084	शनि	31/03/2095	बुध	12/09/2104	केतु	07/05/2112	शुक्र	17/06/2127
शनि	12/06/2087	बुध	05/02/2096	केतु	13/04/2105	शुक्र	07/07/2113		00/00/0000
बुध	12/04/2090	केतु	12/06/2096	शुक्र	13/12/2106	सूर्य	12/11/2113		00/00/0000
केतु	12/06/2091	शुक्र	12/06/2097	सूर्य	13/06/2107	चंद्र	13/06/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 0 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में, कन्या लग्न में हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर कन्यालग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का ही द्रेष्काण लग्न भी उदित था। उपर्युक्त संयोजनों से यह संकेत प्राप्त हो रहा है कि आपकी प्रवृति धन संग्रह किया जाय, यह विषय महत्वपूर्ण नहीं है। इस प्रवृति को झुकाव का अन्तिम परिणाम क्या होगा। इसका कोई अर्थ नहीं है। अतः यह ज्ञात हो रहा है कि आपका लक्ष्य अपने धन्धों में सफलता प्राप्त करना है। किसी रूप में अपने लक्ष्य की ओर से विमुख हो जाना आपकी अर्कमण्यता प्रमाणित होगा, ऐसा समझते है। वास्तव में वह भगवान आपकी सहायता कर सकते हैं।

मुख्यतया आप अपने जीवन की 28 वें वर्ष की आयु से 31 वें वर्ष की आयु के मध्य पूर्णरूपेण सफल हो सकते हैं। जबकि आप बहुत प्रकार की वस्तुओं का लाभ प्राप्त करेगें। आप अपनी उदारतापूर्वक नीति एवं धनशील प्रवृति के कारण आनन्ददायक जीवन बिताने में सफल होंगे। आपकी आँखे आकर्षक हैं जिसके प्रभाव से आप विपरीत यानि के साथ आनन्द प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दुबले पतले शारीरिक आकृति के प्रभाव से अनुकूल लाभ एवं श्रेष्ठता प्राप्त होगा। आपकी आकर्षक आँखे एवं दिलचस्प (बदलाव) हाव-भाव विपरीत यानि के प्राणियों के मध्य लोकप्रिय रहेगा।

आप वणिक प्रवृति के प्राणी है तथा आपका झुकाव व्यवसायिक ही रहेगा। आपके लिए योग्य सेवावृति अथवा व्यवसायों में व्यवसायिक लेखा-जोखा कार्य अथवा लेखा परीक्षण कार्य पसन्द करेंगे। परन्तु आप व्यवसायिक साहसिक कार्य जैसे सट्टेबाजी, शेयर क्रय-विक्रय में अपना धन लगाना चाहेंगे। आप सदैव पूर्ण सचेत रहकर अपनी लागत का किचिंत लाभांश भी निश्चित रूप से प्राप्त करना चाहेंगे। अतः आप अपनी धन राशि की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहेंगे।

आप पूर्ण विद्वान एवं कुशाग्रबुद्धि के पुरूष है। आपकी बुद्धि तीक्ष्ण है एवं आप धन प्राप्ति हेतु, तत्पर रहेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में जनसामान्य के साथ वैधानिकता निभाएंगे। जब लोग, सदैव आपकी त्रुटि पूर्ण भूमिका की प्रतिक्रयात्मक आलोचना करेंगे तब आपकी मनोदशा क्षीण एवं दुर्बल हो जाएगी।

आपको इस प्रकार के दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा-अन्यथा आप अनेक व्यक्ति को अपना शत्रु बना लेंगे। इस परिस्थिति में क्या आप उस परिस्थिति का सामना कर सकेंगे संभाल सकेंगे जबकि आपके मित्र और अधिनस्थ कर्मचारी आपको जन सामान्य की नजरों में नीचा दिखाएंगे तथा आप पर घृणित कलंक लगाकर आपके विरूद्ध आनन्दोलन प्रारम्भ कर देंगे।

आप उस समय वैवाहिक बंधन का अर्थ और महत्व के संबंध में पश्चाताप करोगे कि यह बंधन कैसा होता है। इस प्रकार की परिस्थिति प्रायः कन्या राशि गत व्यक्तियों के साथ अति संभाव्य है। क्योंकि वैवाहिक सम्बंध के प्रति सहज ही प्रवृत हो जाना इस राशिगत व्यक्तियों का स्वाभाविक गुण है। परन्तु इस परिस्थिति में विवाह करके नये परीन्दों को घर में लाना, अपनी प्रेमिका के प्रति एवं अपने अभिभावक के प्रति खेलवार करना प्रमाणित होता है। इस

प्रकार इस राशि का प्राणी किसी भी शर्त्त पर पत्नी का गुलाम हो सकता है।

परन्तु आपकी एक अच्छी पत्नी एवं सुव्यवस्थित बच्चे होंगे जो अपने जीवन में पूर्व विकास करेंगे।

आप हृष्ट पुष्ट रह कर अपने स्वस्थ्य जीवन का आनन्द अपनी पूरी आयु भर प्राप्त करेंगे। तथापि आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप कुछ संभाव्य रोगादि के प्रति सतर्क रहें, जिसके प्रभाव से आप टायफायड, दस्त रोग, पीठ के दर्द अथवा रक्तचाप जैसी व्याधि का कुप्रभाव आपके जीवन पर पड़ सकता है। आप अपने अत्यधिक भोजन करने की प्रवृति पर कठोर नियंत्रण रखें तथा अतिरिक्त भोजन के रूप में शाकाहार ग्रहण करे। किसी भी परिस्थिति में मध्यपान न करें। अर्थात् शराब आदि नशीली पदार्थों को स्पर्श न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक का प्रभाव बहुत अच्छा रहेगा। आप अंक 1 एवं 8 अंक सर्वथा परित्याग करे।

आपके लिए रंग लाल, नीला एवं काला रंग है। इसका त्यागकर रंगों में पीला, सूआ पंखी, हरा और सफेद रंग का व्यवहार आपके लिए उत्तम है।